>

Title: Regarding Notice of Question of Privilege.

श्री लालजी टण्डन (लखनऊ): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि संसद अपने आप में सर्वोच्च सत्ता है, सार्वभौमिकता है। अगर संसद के कार्य में कोई बाधा डालता है, अगर कोई संसद के सम्मान में अपराध करता है, तो संसद अपने आप में सबसे बड़ी अदालत है और आप संसद की संरक्षिका हैं। मैं कल लखनऊ से सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए आ रहा था। कल सारे ज़िलों के मेयर, सभासद लखनऊ में राज्यपाल महोदय को बताने के लिए एकत्र हुए थे कि संविधान की हत्या करके, 74वें संविधान संशोधन की भावनाओं के खिलाफ राजनीतिक दलों के अधिकारों को छीना जा रहा है। स्थानीय सरकार को खत्म करने का षडयंत्र किया जा रहा है। भ्रष्टाचार का बीजारोपण किया जा रहा है।

लोग इसके खिलाफ अपना ज्ञापन देना जाना चाहते थे और सड़क पर मार्च कर रहे थे। मैंने उन्हें संबोधित किया और कहा कि मुझे संसद की कार्यवाही में भाग लेने के लिए जाना है, इसके बाद मैं अपने आवास में चला आया। मेरे आवास में पहुंचने के थोड़ी देर बाद तांडव हुआ। हो सकता है पुलिस की तरफ से लाठी चल रही थी, उससे बचने के लिए कुछ लोग मेरे आवास में आ गए होंगे लेकिन उस वक्त पुलिस ने मेरे घर में घुसकर जनता के पानी पीने के लिए जो कुलर लगा था, उसे तोड़ डाला। मेरी कार खड़ी थी, उसे तोड़ डाला। वहां कुछ पौधे लगे थे, उन गमलों को तोड़ डाला। इस तरह से हालत यह हो गई, इस तरह का तांडव हुआ कि मैं कुछ समझ नहीं पाया कि क्या हुआ। क्या आप मेरे अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकती हैं? अगर यह विशेषाधिकार का प्रश्न बनता है तो मैं देने को तैयार हूं, आप आज्ञा दीजिए।...(व्यवधान)

श्री विजय बहादुर सिंह (हमीरपुर, उ.प्र.): महोदया, उत्तर प्रदेश में भाजपा का कुछ नहीं है।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : क्या वहां के लिए कुछ कहने की जरूरत नहीं हैं? पुलिस मार रही है और कोई पूछ नहीं रहा है।...(व्यवधान)

श्री लालजी टण्डन : मैं आपसे निवेदन करता हूं कि यह सदन की अवमानना है, सदन की बेइज्जती है। सदन का सदस्य होने के नाते मेरे साथ जो हुआ है, उसमें कहीं न कहीं इस पीठ पर भी आक्षेप हो रहा है। आप कुछ पुलिस अधिकारियों से हमारे अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं या नहीं? यह प्रश्न चिह्न है।...(व्यवधान) मैं चाहता हूं कि वे अधिकारी दंडित किए जाएं और यह विषय विशेषाधिकार समिति को भेजें। वहां उनकी पेशी हो और उनसे पूछा जाए।...(व्यवधान) अगर मैं वांटेड होता, अगर मुझे गिरफ्तार किया गया होता, अगर मैं उस जुलूस में जा रहा होता तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होती तो मैं यहां खड़ा नहीं होता। प्रश्न यह है कि संसद की कार्यवाही में भाग लेने के लिए कभी कोई इस तरह से भी करे कि वह न जाने पाए। मेरे घर में घुसकर बिना मेरी आज्ञा के, बिना मुझे बताए, इतना बड़ा तांडव हो गया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए। उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालजी टण्डन : अध्यक्ष महोदया, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैं वही कहना चाहती हूं।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालजी टण्डन : मैं अपनी बात खत्म कर रहा हूं, मैं भाषण नहीं कर रहा हूं। मैं तीन बिंदुओं के बारे में कहना चाहता हूं। एक यह है कि पहली बार एक सदस्य को संसद की कार्यवाही में भाग लेने से रोकना अपराध है। ...(व्यवधान) दूसरी बात है कि किसी सांसद के घर में बिना उसकी अनुमति के घुसना और यह भी नहीं बताना कि क्यों आए हैं, वहां तोड़फोड़ करना। तीसरी बात है कि अगर एक सदस्य के साथ ऐसा होता है, उसके अधिकारों का हनन होता है, कोई संसद की कार्यवाही में भाग लेने से रोकता है तो ये तीनों अपराध हैं। यह सदन के विशेषाधिकार से जुड़ा हुआ प्रश्न है। मैं आपकी कृपा चाहता हूं कि आप इस पर कठोरता से ध्यान दें।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमारे कार्यकर्ता गांव-गांव में मारे जा रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाइए। आप ही के बारे में पढ़ रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठेंगे तभी तो हम पढ़ेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब कैसे बोलेंगे? आप बारी-बारी से ही तो बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I have received a notice of Question of Privilege dated 8th March, 2011 from Shri Mulayam Singh Yadav, MP, against the DM and DIG, Lucknow Range for forcibly detaining him and for arresting Shri Akhilesh Yadav, MP.

Shri Akhilesh Yadav has also given a separate notice of Question of Privilege dated 14th March, 2011 against the senior officers and District Administration for misbehaving with him and detaining him in prison thereby obstructing the discharge of his Parliamentary duties.

I have called for a factual note from the Ministry of Home Affairs in the matter. I will take a decision accordingly.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : लालजी टंडन साहब, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : वह बोल रहे हैं। आप उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : जिन्होंने मारा है, आप उन्हीं से रिपोर्ट मंगवा रही हैं।...(व्यवधान) वही लोग रिपोर्ट बनाकर भेज देंगे, आप उन्हीं से रिपोर्ट मांग रही हैं। ...(व्यवधान)

SHRI VIJAY BAHADUR SINGH : They are telling untruth...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : लालजी टंडन जी, आप बैठ जाइये। कीर्ति आजाद जी, आप भी बैठिये। आप उन्हें बोलने का मौका देंगे, तभी वह बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : ऐसा पहली बार हो रहा है, जिन्होंने मारा है, आप उन्हीं से रिपोर्ट मंगवा रही हैं। यह कोई मामूली बात नहीं है।...(व्यवधान)

श्री विजय बहादुर सिंह : मैडम, फैसला हो गया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : जिन्होंने मारा है, आप उन्हीं से रिपोर्ट मंगायेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हमने उनसे रिपोर्ट नहीं मांगी है, हमने होम मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है, सैंट्रल गवर्नमैन्ट से रिपोर्ट मांगी है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI VIJAY BAHADUR SINGH : Justice has been done...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप उन्हीं से रिपोर्ट मांग रही हैं।...(व्यवधान)

श्री विजय बहादुर सिंह : यह इंक्वायरी से क्यों घबरा रहे हैं?...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : *

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, जरा बात को सुनिये, आप इतना ज्यादा आवेश में मत आइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उनसे रिपोर्ट नहीं मांगी जायेगी, हम होम मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांग रहे हैं। आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम किससे रिपोर्ट मांगे, सैन्टर की जो होम मिनिस्ट्री है, हम उनसे रिपोर्ट मांग रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अभी जो विषय हमारे संज्ञान में लाये हैं, आप हमें एक पत्र दे दीजिए, उसके बाद इसमें छानबीन करवाकर जो भी तथ्य हमारे सामने आते हैं, हम उन पर निर्णय ले लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हमने कहा है, यह ठीक है। हम आपका काम कर रहे हैं।आप दोनों का भेज दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप एक मिनट बैठिये। हमने कहा है कि हम इसे गृह मंत्रालय से मंगा रहे हैं और भी कहीं से मंगाना है या क्या करना है, आप मुझसे मेरे कार्यालय में मिल लीजिए, वैसे ही करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : माननीय सांसद, श्री प्रवीण सिंह ऐरन को माननीय मुलायम सिंह जी एवं श्री लालजी टंडन द्वारा उठाये गये मामले से सम्बद्ध किया जाता है।